विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

विषय -हिन्दी (व्याकरण) संज्ञा कक्षा -सप्तम

दिनांक 12-04-2020

शिक्षक-पंकज सर

1. संज्ञा-

   किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु आदि तथा नाम के गुण, धर्म, स्वभाव का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाते हैं। जैसे-श्याम, आम, मिठास, हाथी आदि।

   संज्ञा के प्रकार-

   संज्ञा के तीन भेद हैं-

   1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा।**
   2. **जातिवाचक संज्ञा।**
   3. **भाववाचक संज्ञा।**

   1. व्यक्तिवाचक संज्ञा-

   जिस संज्ञा शब्द से किसी विशेष, व्यक्ति, प्राणी, वस्तु अथवा स्थान का बोध हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-जयप्रकाश नारायण,

श्रीकृष्ण, रामायण, ताजमहल, कुतुबमीनार, लालकिला हिमालय आदि।

2. जातिवाचक संज्ञा-

जिस संज्ञा शब्द से उसकी संपूर्ण जाति का बोध हो उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-मनुष्य, नदी, नगर, पर्वत, पशु, पक्षी, लड़का, कुत्ता, गाय, घोड़ा, भैंस, बकरी, नारी, गाँव आदि।

3. भाववाचक संज्ञा-
जिस संज्ञा शब्द से पदार्थों की अवस्था, गुण-दोष, धर्म आदि का बोध हो उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-बुढ़ापा, मिठास, बचपन, मोटापा, चढ़ाई, थकावट आदि।

विशेष- कुछ विद्वान अंग्रेजी व्याकरण के प्रभाव के कारण संज्ञा शब्द के दो भेद और बतलाते हैं-

1. **समुदायवाचक संज्ञा।**
2. **द्रव्यवाचक संज्ञा।**

1. **समुदायवाचक संज्ञा-**
जिन संज्ञा शब्दों से व्यक्तियों, वस्तुओं आदि के समूह का बोध हो उन्हें समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-सभा, कक्षा, सेना, भीड़, पुस्तकाल य, दल आदि।

2. **द्रव्यवाचक संज्ञा-**
जिन संज्ञा-शब्दों से किसी धातु, द्रव्य आदि पदार्थों का बोध हो उन्हें

द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-घी, तेल, सोना, चाँदी,पीतल, चावल, गेहूँ, कोयला, लोहा आदि। इस प्रकार संज्ञा के पाँच भेद हो गए, किन्तु अनेक विद्वान समुदायवाचक और द्रव्यवाचक संज्ञाओं को जातिवाचक संज्ञा के अंतर्गत ही मानते हैं, और यही उचित भी प्रतीत होता है।

गृह कार्य

क- संज्ञा के कितने भेद होते हैं?

ख- भाववाचक संज्ञा किसे कहते हैं परिभाषित कीजिए?

ग- संज्ञा किसे कहते हैं?